महामहिम राज्यपाल श्री राम नरेश यादव का स्वाधीनता पर्व समारोह में उद्‌बोधन

स्थान :- भोपाल दिनांक 15 अगस्त, 2013 समय :- शाम 7 बजे

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर मैं, प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। आज हम यहां स्वाधीनता का जश्न मनाने के लिए इकट्‌ठा हुए हैं। यह आयोजन, हमें स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बलिदान की याद दिलाता है। आज उन्हीं के संघर्ष और कुर्बानियों का परिणाम है कि हम अपने देश में स्वतंत्रता से जीवन जी रहे हैं। यह समारोह हमें खुशहाल भारत के निर्माण के लिए निस्वार्थ भाव से कार्य करने की प्रेरणा भी देता है।

मध्यप्रदेश के लिए यह सौभाग्य की बात है कि स्वाधीनता संग्राम के सर्वाधिक महत्वपूर्ण आंदोलन का सूत्रपात और संचालन इसी प्रदेश के सपूतों द्‌वारा इसी धरती पर अंजाम दिया गया था। 1857 के संग्राम के योजनाकार तात्या टोपे, रानी लक्ष्मी बाई, झलकारी देवी, राणा बख्तावर सिंह, रानी अवंतिबाई, सआदत खां, भागीरथ सिलावट सभी मध्यप्रदेश के रणबांकुरे हैं। स्वाधीनता संग्राम के दूसरे महत्वपूर्ण दौर के क्रांतिकारी आंदोलन का सूत्रपात करने वाले अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद के बलिदान के आगे समूचा देश नतमस्तक है।

आज से लगभग 150 वर्ष पूर्व भोपाल की इसी सरजमीं पर आजादी के मतवालों ने ईस्ट इंडिया कंपनी और भोपाल की बेगम के राज को नकारते हुए स्वाधीनता समानांतर सरकार ""सिपाही बहादुर"" की स्थापना की थी। भोपाल के ही लाडले सपूत जनाब बरकतउल्ला भोपाली के नेतृत्व में 1915 में स्वतंत्र भारत की सरकार की स्थापना अफगानिस्तान में की गई थी। सन 1942 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के 'अंग्रेजों भारत छोड़ो' नारे ने देश में एक क्रांति की ज्वाला ऐसी जलाई जिसके फलस्वरूप 15 अगस्त सन्‌ 1947 को देश स्वाधीन हुआ।

हम सभी जानते हैं कि देश को आजादी बड़ी कुर्बानियों और समर्पण के बाद मिली है। आजादी का जज्बा हम सबके दिलों में बना रहे और स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष का स्मरण भी हमारे

मस्तिष्क में सदैव रहे, यही कामना है। स्वराज संस्थान संचालनालय को मैं साधुवाद देना चाहता हूं जिन्होंने स्वाधीनता पर्व के माध्यम से यह गौरवगान का सिलसिला आरंभ किया है।

यह आवश्यक है कि हम अपनी आने वाली पीढ़ी को स्वाधीनता के लिए किये गये संघर्ष तथा स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा आजाद भारत के लिए रखे गये आदर्शों से अवगत कराएं। मैं इस अवसर पर नौजवानों से कहना चाहता हूं कि वे इस पावन अवसर पर एकता तथा भाई चारे की स्थापना का संकल्प लें। आशा है मध्यप्रदेश का हर नागरिक इस संकल्प को पूरा करने में पूरे जोश और उत्साह के साथ आगे आयेगा।

जय हिन्द।